Tumhe Koi Jag Mein Hara Na Sakega | By Ram Shankar

तुम्हे कोई जग में हरा ना सकेगा
शरण सांवरे की तुम आकर तो देखो
झुकेगा तुम्हारे ही आगे ज़माना
कभी खाटू में सर झुका कर तो देखो

किसी चीज़ की फिर कमी ना रहेगी
जो आँखों में वो नमी ना रहेगी
छलकने तो पलकें ज़रा हलके हलके
यहाँ चार आंसू बहकर तो देखो

कभी थाम कर इसके मंदिर की जाली
ये ज़िद ठान लो के ना जायेंगे खाली
ना आ जाए प्यारा तो कहना ओ प्यारो
सुदामा के जैसे बुलाकर तो देखो

ना कुछ और मांगे कभी खाटू वाला
ज़रा प्रेम और एक गुलाबों की माला
महकने लगेगी ये जीवन की बगिया
यहाँ इत्र थोड़ा चढ़ा कर तो देखो

https://bhaktivandana.com/lyrics/tumhe-koi-jag-mein-hara-na-sakega-by-ram-shankar/